

~~XXXX~~

6.1.2)

पत्रावली पत्र ~~है~~ वादी एवं प्रतिवादिपत्र

अनुपस्थित/ प्रकीर्णवादी एवं प्रतिवादिपत्र

धारा/ आवान लगी जी/ इज्जती मोर

दो मोर उपस्थित नहीं/ वार-2 भाषाज

लगी जी/ अत्र पत्रावली आदम-दाली



पेक्षा
म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

अदम पक्षा अ स्वार्थि वी जाणते इ
पवावपी नम्वर से का दामट शायिन
अतत ही

